

प्रेस विज्ञप्ति

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के माठ कुलपति प्रो० एम०एल०बी० भटट् के कुशल नेतृत्व में जनमानस को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के क्रम में माइक्रोबायोलॉजी विभाग में **MALDI-TOF** मशीन स्थापित की गई है, जोकि विश्व भर में संक्षण की पहचान करने की नवीनतम एवं सर्वश्रेष्ठ तकनीक है।

विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग प्रो० अमिता जैन ने अवगत कराया कि उक्त मशीन की स्थापना से एन०टी०एम०, नोकार्डिया और गंभीर फंगल संक्षणों से होने वाले गंभीर रोग जैसे कि तपेदिक, ऑस्टियोमाइलाइटिस का सही और त्वरित उपचार शुरू करने में चिकित्सकों की मदद करेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सूक्ष्म जीवों की पहचान बैक्टीरिया और कवक प्रजातियों की सांस्कृतिक और जैव रासायनिक विशेषताओं पर आधारित थी, जिन्हे आमतौर पर पर्याप्त विकास के लिए कई दिनों से हफ्तों तक की आवश्यकता होती है और अक्सर सटीक परिणाम प्राप्त करना मुश्किल होता था परन्तु उक्त मशीन जोकि एक स्वचालित द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमेटी माइक्रोबियल पहचान प्रणाली है जो मैट्रिक्स असिस्टेड लेजर डेसोरेशन इऑनाइजेशन टाइम-ऑफ-फ्लाइट (**MALDI-TOF**) तकनीक का उपयोग करती है तथा यह आम और दुलभ संक्षणों की पहचान और उनके उपचार में काफी उपयोगी साबित होगी।

के०जी०एम०य०० मीडिया सेल की सह-संकाय प्रभारी डॉ० शीतल वर्मा के अनुसार चिकित्सा विश्वविद्यालय के अतिरिक्त यह मशीन भारत के कुछ ही केंद्रों में है तथा यह संक्षण के प्रकोप को रोकने एवं उनसे बचाव करने में काफी सहायक सिद्ध होगी। इसके साथ ही यह उन मरीजों के लिए भी काफी मददगार साबित होगी जो प्रतिदिन ओ०पी०डी० में विभिन्न संकामक रोगों जैसे निमोनिया, घाव संक्षण, संक्षण के कारण अज्ञात बुखार, मेनिनजाइटिस, मूत्र मार्ग में संक्षण, यौन संचारित संक्षण, दस्त, त्वचा संक्षण और अन्य संक्षणों के इलाज में मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही इनडोर रोगियों में संक्षण से बचाव के लिए भी इसका उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया काफी तेज और सस्ती भी है, जिन परीक्षणों में पहले एक या दो दिन लगते थे अब वह कुछ ही घंटों में किए जा सकेंगे। उन्होंने बैक्टीरियल आइसोलेट्स के लिए इस तकनीक को कांतिकारी बताते हुए कहा कि इसके परीक्षण शुरू कर दिए गए हैं।